

Dance, song 'yagya' mark BPSMV meet

TRIBUNE NEWS SERVICE

SONEPAT, FEBRUARY 24

The annual alumni meet of Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya (BPSMV), Khanpur Kalan, was organised on Saturday. Vice-Chancellor Sudesh said alumni were an invaluable asset to any institution and the alumni association was doing the important work of bringing them together.

She paid tribute to Bhagat Phool Singh, Behan Subhashini Devi and Saint Ravidas and urged the alumni to take the heritage of Bhagat Phool Singh forward.

This meet was organised by the alumni association and education department. The students presented cultural performances, including Haryanvi dance, a play,

giddha, etc.

A 'yagya' ceremony was also organised in the university's 'yagyashala' to mark Bhagat Phool Singh's 139th birth anniversary.

The institution's Vice-chancellor Sudesh presented the Reena Abhishek Award, sponsored by alumnus Dr Reena, to BAMS (I) topper Ekta and BAMS (II) topper Tanvi. Former principal of MSM Institute of Ayurveda Dr Vijay Kaushik announced he would honour the topper of BAMS final year next year onwards.

On this occasion, former students Hukum Kaur, Sandhya, Dr Anjali, Poonam and others shared their student-life experiences. A few spots designated as 'selfie points' were the centre of attraction amongst guests.



Vice-Chancellor Sudesh with the alumni during the meet at BPSMV in Khanpur Kalan. TRIBUNE PHOTO

भगत फूल सिंह की तपोस्थली है महिला विवि पाठ्यक्रम में भगत फूल सिंह की जीवनी शामिल करने की मांग



बीपीएस महिला विवि में सेल्फी प्वाइंट पर पूर्व छात्राओं के साथ महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश। संचाद

संचाद न्यूज एजेंसी

गोहाना। खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि यह महिला विश्वविद्यालय मात्र शिक्षण संस्थान ही नहीं बल्कि महान शिक्षाविद भगत फूल सिंह की तपोस्थली है।

कहा कि यह विश्वविद्यालय उनके बलिदान और उनकी प्रेरणा से नारी शिक्षा व सशक्तीकरण में जन भागीदारी का

जीवंत उदाहरण है। उन्होंने यह बात भगत फूल सिंह की जयंती पर विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कही।

इस दौरान विवि की यज्ञशाला में हवन करवाया गया। कहा कि भगत फूल सिंह के जीवन चरित्र व उनके त्याग की अवधारणा को आम जनमानस तक पहुंचाने के लिए भगत फूल सिंह की जीवनी को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भगत फूल सिंह ने विषम परिस्थितियों में कठिन संघर्ष

करते हुए शिक्षा रूपी पौधे को लगाया था, जो आज विश्वविद्यालय रूपी बट वृक्ष बन गया है। भगत फूल सिंह और सुभाषिणी देवी के विचार व नारी शिक्षा में योगदान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए उनसे जुड़े संस्मरणों का दस्तावेजीकरण प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा।

इस मौके पर कमला, ज्ञानवती, ब्रह्मवती, साहिब कौर, कुलसचिव प्रो. नीलम मलिक मौजूद रही।

महिला विवि भगत फूल सिंह की तपोस्थली : प्रो. सुदेश

भगत फूल सिंह का दर्शन विषयक दो क्रेडिट आधारित एड ऑन कोर्स शुरू किया जाएगा



गोहाना। यज्ञ में आहुतियां डालते हुए कुलपति प्रौ. सुदेश व अन्य।



गोहाना। महिला विवि की पूर्व छात्राएं कुलपति प्रौ. सुदेश व विवि के स्टाफ सदस्यों के साथ।

फोटो : हीरभूमि

हाइलाइट न्यूज़ » भगत फूल सिंह का दर्शन विषयक दो क्रेडिट आधारित एड ऑन कोर्स शुरू किया जाएगा

महिला विभिन्नालय मात्र शिक्षण संस्थान ही नहीं, बल्कि महान शिक्षाविद् भगत फूल सिंह की तपोस्थली है। यह विभिन्नालय उनके बलिदान और उनकी प्रेरणा से नारी शिक्षा व सशक्तिकरण में जन भागीदारी का जीवन उदाहरण है। यह बात भगत फूल सिंह महिला विभिन्नालय की कुलपति प्रौ. सुदेश ने शनिवार को भगत फूल सिंह की 139वीं जयंती पर उन्हें नमन करते हुए कही।

कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्नालय की यज्ञशाला में यज्ञ किया गया। यज्ञ में कुलपति प्रौ. सुदेश तथा प्रौ. हवा सिंह ने मुख्य यज्ञमान के रूप में आहुति डाली। बहन शक्तिला देवी ने पूरे विधिविधान से यज्ञ संपन्न कराया। यज्ञ

के बाद प्रौ. सुदेश ने घोषणा करते हुए कहा कि भगत फूल सिंह के जीवन चरित्र व उनके लक्षण की अवधारणा को आम जनमानस तक पहुंचाने के लिए नई शिक्षा नीति-2020 के तहत युक्तुल परंपरा और भगत फूल सिंह जी का दर्शन विषयक दो क्रेडिट आधारित एड ऑन कोर्स शुरू किया जाएगा। प्रौ. सुदेश ने कहा कि विभिन्नालय समुदाय के लिए पुनः संकल्प लेने का अवसर है कि किस प्रकार भगत फूल सिंह ने विषय परिस्थितियों में कठिन संघर्ष करते हुए इस शिक्षा सूपी पौधे को लगाया। उनकी निष्ठार्थ सेवा के परिणाम स्वरूप यह पौधा आज विभिन्नालय सूपी वट युक्त बन गया है। इस अवसर पर बहन कमला, जानवती, ब्रह्मवती, साहिव कौर, कुलसचिव डॉ. नीलम मलिक सहित स्टाफ मौजूद रहे।

पूर्व छात्र संस्थान की अमूल्य धरोहर : प्रो. सुदेश

गोहाना। पूर्व छात्र किसी भी संस्थान की अमूल्य धरोहर होती है। एनुकूली परिवर्तनालय विश्व वर्त में संस्थान का नाम उत्तम कर रहे हैं पूर्व छात्रों तो एक बात पर लाते का संस्कार प्रोटोकॉल है। ये बात भगत फूल सिंह नहिं विभिन्नालय, खालपुर कल्पन की कुलपति प्रौ. सुदेश वे धरोहर आयोजित वार्षिक प्रश्नावली ग्रीट-2024 को मुख्य अधिकारी के रूप में संबोधित करते हुए कही। यह कार्यक्रम एनुकूली परिवर्तनालय तथा विद्या विभाग के संयुक्त तत्वावादीय नाम में आयोजित हुआ। कुलपति प्रौ. सुदेश वे अपने उपोक्ता की मुख्यता ग्रहण शिक्षाविद् महान पूल रिह, बहुवर्ष सुविधिकी देवी और संत रविचन की लम्ज तकरी हुए थीं। उन्होंने पूर्व छात्रों का आहुति विषय कि वे अत्यन्त पूल रिह की इह लायसेन्सी की कजबू सांस्कृतिक विद्यालय की स्कॉल कर रहे और इह धरोहर की आजी बढ़ाव। उक्तरोह की विशिष्ट अधिकारी बहुत उत्सुक व उत्सुक रहीं। कार्यक्रम विदेशक एवं विद्या विभाग की अध्यक्ष डॉ. अनु बल्लारा वे कुलपति का स्वाक्षर किया। उन्होंने विदेशक एवं विद्या विभाग की अधिकारी वर्ष में लायसेन्स अधिकारी का टॉपर को देना चाहा।

उक्तओं को विशेष उत्सर्जन प्रदान की जाएगी। इह अवसर पर उक्तओं द्वारा प्रस्तुत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के उपस्थित जब का मन लोह लिया। जहाँ हरियाली कृषि की वाप पर पूरा उत्तमान विरक उक्त वाही लग्य लायिका के साथाम से छात्र जीवन और हाईस्टेल में विलए पर्ने की वादे तजा कर दी। कार्यक्रम में ईंध, अलादगिक अपेक्षर्स प्रौ. संकेत विज, कुलसचिव प्रौ. लीला नवीन, एनुकूली परिवर्तनालय विदेशक डॉ. विवेक अद्यवाल, डॉ. छाव बल्लारा वे श्वेता हुआ, परीका विद्याक्रत डॉ. उचिंष विष्णु, विदेशक जनरलपर्स ने बल्लाल (डॉ.) अविल बालासा सहित विभिन्न संकायों के ईंध, विभागाध्यक्ष, प्रशासक, वैद विद्यक तर्जी, लोकार्थी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

टॉपर छात्राओं को किया सम्मानित

कुलपति प्रौ. सुदेश वे पूर्व छात्र डॉ. रीता द्वारा प्रायोजित रीता अविल अवार्ड सीएसएस-1 की टॉपर सक्ता और सीएसएस-2 की टॉपर तत्वी को प्रश्न किया। एन्सलसल अनुरोह उत्तमाल के पूर्व प्राचर्य डॉ. विजय लोकिक वे अवार्ड वर्ष में लायसेन्स अधिकारी वर्ष के टॉपर को सम्मानित करने की घोषणा की।

भगत फूल सिंह जयंती पर हवन में आहुतियां दी



भगत फूल सिंह की जयंती पर हवन में आहुति डालती कुलपति।

भास्कर न्यूज | गोहाना

बीपीएस महिला विवि मात्र शिक्षण संस्थान ही नहीं, बल्कि महान शिक्षाविद् भगत फूल सिंह की तपोस्थली है। यह विवि उनके बलिदान और उनकी प्रेरणा से नारी शिक्षा व सशक्तिकरण में जन भागीदारी का जीवंत उदाहरण है। भगत फूल सिंह के जीवन चरित्र व उनके त्याग की अवधारणा को आम जनमानस तक पहुंचाने के लिए नई शिक्षा नीति-2020 के तहत गुरुकुल परंपरा और उनका दर्शन विषयक-2 क्रेडिट आधारित एड ऑन कोर्स शुरू किया जाएगा। यह घोषणा महिला विवि की

कुलपति प्रो. सुदेश ने शनिवार को भगत फूल सिंह की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में की। इस दौरान उन्होंने भगत फूल सिंह को नमन करते हुए हवन में भी आहुति डाली।

प्रो. सुदेश ने कहा कि नारी शिक्षा और सशक्तिकरण के उद्देश्य को पूरा करने के लिए विवि प्रशासन लगातार प्रयत्नशील है। विवि में बहन सुभाषिनी देवी शोध पीठ की स्थापना की जा रही है। इसके बाद शकुंतला देवी ने भी भगत फूल सिंह के जीवन से जुड़ी यादें साझा की। इस मौके पर कमला, ज्ञानवती, ब्रह्मवती, साहिब कौर, कुलसचिव प्रो. नीलम मलिक मौजूद थे।

'भगत फूल सिंह की जीवनी पाठ्यक्रम में होगी शामिल'



हवन में आहुति डालते हुए कुलपति प्रो. सुदेश व प्रो. हवा सिंह॥ सौ. विश्वविद्यालय

जागरण संवाददाता, गोहाना : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि यह महिला विश्वविद्यालय मात्र शिक्षण संस्थान ही नहीं बल्कि महान शिक्षाविद भगत फूल सिंह की तपोस्थली है। यह विश्वविद्यालय उनके बलिदान और उनकी प्रेरणा से नारी शिक्षा व सशक्तिकरण में जन भागीदारी का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने यह बात भगत फूल सिंह जयंती पर विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कही। विश्वविद्यालय की यजशाला में हवन करवाया गया।

प्रो. सुदेश ने कहा कि भगत फूल सिंह के जीवन चरित्र व उनके त्याग की अवधारणा को आम जनमानस तक पहुंचाने के लिए नई शिक्षा नीति के तहत गुरुकुल परंपरा और भगत फूल सिंह जी का दर्शन विषयक दो क्रिडिट आधारित एडआन कोर्स शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भगत फूल सिंह ने विषम परिस्थितियों में कठिन संघर्ष करते हुए शिक्षा रूपी पौधे को लगाया था, जो विश्वविद्यालय रूपी वट वृक्ष बन गया है। भगत फूल सिंह और बहन सुभाषिणी देवी के विचार व नारी शिक्षा में योगदान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए उनसे जुड़े संस्मरणों का दस्तावेजीकरण प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। विश्वविद्यालय में बहन सुभाषिणी देवी शोध पीठ की स्थापना की जा रही है। हवन में कुलपति प्रो. सुदेश और प्रो. हवा सिंह मुख्य यजमान रहे। बहन शकुंतला देवी ने पूरे विधि विधान से यज्ञ संपन्न कराया। बहन कमला, ज्ञानवती, ब्रह्मवती, साहिब कौर, कुलसचिव प्रो. नीलम मलिक मौजूद रही।

पूर्व छात्र संस्थान की

अमूल्य धरोहर : प्रो. सुदेश

वि. गोहाना : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में शनिवार को पूर्व छात्र मिलन समारोह आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि पूर्व छात्र किसी भी संस्थान के अमूल्य धरोहर हैं। पूर्व छात्राओं ने कार्यक्रम में अपने अनुभव साझा किए। डा. किरण कलकल ने एलुमनी एसोसिएशन की गत वर्ष की रिपोर्ट प्रस्तुत की और गतिविधियों का व्योरा दिया। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में एसोसिएशन द्वारा आर्थिक रूप से कमज़ोर छात्राओं को वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। लघु नाटिका के माध्यम से छात्र जीवन और हास्टल में विताए पलों की यादें ताजा कर दी। कुलपति प्रो. सुदेश ने पूर्व छात्रा डा. रीना द्वारा प्रायोजित रीना अभियंक अवार्ड बीएमएस-एक की टापर एकता और बीएमएस-दो की टापर तन्वी को प्रदान किया। एमएसएम आयुर्वेद संस्थान के पूर्व प्राचार्य डा. विजय कौशिक ने अगले वर्ष से बीएमएस अंतिम वर्ष के टापर को सम्मानित करने की घोषणा की। 1966 वैच की जेबीटी छात्रा हुकुम कौर, असिस्टेंट प्रोफेसर अंजलि श्योकंद, संध्या व पूनम नरवाल ने छात्र जीवन की यादें ताजा की। समारोह स्थल पर बनाए गए सेल्फी प्वाइंट पर पूर्व छात्राओं ने सेल्फी ली। इस मौके पर डीन अकादमिक अफेयर्स प्रो. संकेत विज, कुलसचिव प्रो. नीलम मलिक, एलुमनाई निदेशक डा. विवेक अग्रवाल, डीन, छात्र कल्याण प्रो. श्वेता हुइडा, परीक्षा नियंत्रक डा. संदीप दहिया, डा. अनु बलहारा, डा. अनिल बलहारा मौजूद रहे।

महिला विश्वविद्यालय में हवन कर महान शिक्षाविद को किया नमन

खानपुर कलां, गिरीश सैनी (अधिकारी आवाज छ्यूरो)। महिला विश्वविद्यालय मात्र शिक्षण संस्थान ही नहीं, वर्तिक महान शिक्षाविद भगत फूल सिंह की तरोमयता है। यह विश्वविद्यालय उनके बलिदान और उनकी प्रेरणा से नारी शिक्षा व सशक्तिकरण में जन भागीदारी का जीवन्त उदाहरण है। यह उद्धार भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कृतिपूर्ण प्रो मुद्रेश ने भगत फूल सिंह की 139वीं जयंती पर उन्हें नमन करते हुए घोषित किए। विश्वविद्यालय



यज्ञशाला में आयोजित हवन-यज्ञ कार्यक्रम के पश्चात कृतिपूर्ण प्रो मुद्रेश ने योग्यता करते हुए कहा कि भगत फूल सिंह के जीवन चरित्र व उनके लक्षण की अवधारणा को आम जनमानस तक पहुंचाने के लिए नई शिक्षा नीति-2020 के तहत -मुकुल परोपण और भगत फूल सिंह जी का दर्शन- शिक्षक 2 ड्रोडिट आधारित एड अॅन कोर्स शुरू किया जाएगा। हवन यज्ञ कार्यक्रम में कृतिपूर्ण प्रो मुद्रेश तथा प्रो लक्ष्मि सिंह ने मुख्य यजमान के स्वप्न में आहुति ढाली। बहन

शमुंकला देवी ने पूरे विधि विधान से यज्ञ संपन्न कराया। यज्ञ उपरांत भगत फूल सिंह को नमन करते हुए कृतिपूर्ण प्रो मुद्रेश ने कहा कि यह आयोजन केवल हवन मात्र नहीं है, वर्तिक विश्वविद्यालय समृद्धय के लिए एवं नई शिक्षा नीति-2020 के तहत -मुकुल परोपण और भगत फूल सिंह जी के विषयम परिवर्तितियों में कठिन मंशवर्ष करते हुए इस शिक्षा रूपी पौधे को लगाया। उनके निष्पादन सेवा के उद्देश्य और संकल्प के परिणाम स्वरूप यह पौधा आज विश्वविद्यालय स्वप्नी बट बृक्ष बन गया है। कृतिपूर्ण प्रो मुद्रेश ने कहा कि नारी शिक्षा और सशक्तिकरण के उद्देश्य को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन लगातार प्रयत्नरति है। उन्होंने कहा कि भगत फूल सिंह और बहन मुभाइनी देवी के विचार व नारी शिक्षा में योगदान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए उनसे जुड़े सम्मरणों का दमड़ावेलीकरण प्राप्तिकरण के आधार पर किया जाएगा। इसी उद्देश्य के साथ विश्वविद्यालय में बहन मुभाइनी देवी जीव पीठ की स्थापना की जा रही है।

कुलपति प्रो सुदेश ने पूर्व छात्रों से किया सांस्कृतिक विरासत को सहेज कर रखने का आह्वान

खानपुर कलां, चेतना संबोधदाता। पूर्व छात्र किसी भी संस्थान की अमूल्य धरोहर होती है। एलुमनी एसोसिएशन विश्व भर में संस्थान का नाम ऊंचा कर रहे पूर्व छात्रों को एक मंच पर लाने का सशक्त हलेटफार्म है। ये बात भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां की कुलपति प्रो सुदेश ने शनिवार को आयोजित वार्षिक एलुमनी मीट-2024 को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कही। कुलपति प्रो सुदेश ने अपने संबोधन की शुरुआत महान शिक्षाविद भगत फूल सिंह, बहन



सूभाषिणी देवी और संत रविदास को नमन करते हुए की। उन्होंने कहा कि सभागार में मौजूद पूर्व छात्रों के चेहरे का ऊब्रस बता रहा है कि वह यहां आकर कितनी

खुशी अनुभव कर रहे हैं। उन्होंने पूर्व छात्रों का आह्वान किया कि वे भगत फूल सिंह की इस तपोस्थली की मजबूत सांस्कृतिक विरासत को सहेज कर रखें और इस

धरोहर को आगे बढ़ाएं। कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि भगत फूल सिंह की नारी शिक्षा व सशक्तिकरण की अवधारणा ने महिलाओं को बराबरी दिलाने में अहम भूमिका निभाई है। आज विज्ञान, तकनीक सहित हर क्षेत्र में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी नजर आती है।

उन्होंने अपने संबोधन में गीतों व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों में नारी चित्रण को मर्यादा व आदर के साथ प्रस्तुत करने की बात भी कही। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय के शैक्षणिक विकास के लिए पूर्व

छात्र अपने सुझाव व विचार अवश्य साझा करें। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड-एक स्थित बहुउद्दीय हाल में आयोजित इस कार्यक्रम का आयोजन एलुमनी एसोसिएशन तथा शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में किया गया।

मुख्य अतिथि कुलपति प्रो सुदेश ने अन्य गणमान्य अतिथियों के साथ दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में बहन कमला व शकुंतला उपस्थित रही। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे सभी पूर्व छात्रों का तिलक कर स्वागत किया गया।

भगत फूल सिंह पर क्रेडिट आधारित 2 एड ऑन कोर्स शुरू होगे



जयंती पर महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. ने की घोषणा

गोहाना मुद्रिका, 24 फरवरी : भगत फूल सिंह के जीवन चरित्र और उनके त्याग की अवधारणा की आम जनमानस तक पहुंचाने के लिए नई शिक्षा नीति-2020 के तहत "गुरुकुल परंपरा और भगत फूल सिंह जी का दर्शन" विषयक दो क्रेडिट आधारित एड ऑन कोर्स शुरू किया जाएंगे।

यह घोषणा शनिवार बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो सुदेश ने की। अवसर भगत फूल सिंह की जयंती का था। महिला विश्वविद्यालय के पुरोधा की जयंती पर यज्ञशाला में हवन हुआ। इस में वी.सी. प्रो सुदेश

तथा उनके पति प्रो हवा सिंह ने मध्य यजमान रहे। बहन शकुंतला देवी ने पूरे विधि-विधान से यज्ञ संपन्न कराया। प्रो सुदेश ने कहा कि महिला विश्वविद्यालय मात्र शिक्षण संस्थान ही नहीं, बल्कि महान शिक्षाविद भगत फूल सिंह की तपोस्थली है। यह विश्वविद्यालय उनके बलिदान और उनकी प्रेरणा से नारी शिक्षा व सशक्तिकरण में जन भागीदारी का जीवंत उदाहरण है।

वी.सी. प्रो सुदेश ने कहा कि नारी शिक्षा और सशक्तिकरण के उद्देश्य को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय

प्रशासन लगातार प्रयत्नशील है। उन्होंने कहा कि भगत फूल सिंह और बहन सुभाषिनी देवी के विचार व नारी शिक्षा में योगदान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए उनसे जुड़े संस्मरणों का दस्तावेजीकरण प्रार्थमिकता के आधार पर किया जाएगा। इसी उद्देश्य के साथ विश्वविद्यालय में बहन सुभाषिनी देवी शोध पीठ की स्थापना की जा रही है।

इस अवसर पर बहन शकुंतला देवी ने भी भगत फूल सिंह के जीवन से जड़ी यादें साझा की। इस अवसर पर बहन कमला, ज्ञानवती, ब्रह्म वती, साहिब कौर, डॉ. नीलम मलिक आदि भी उपस्थित रहीं।

ਭਗਤ ਫੂਲ ਸਿੰਹ ਪਰ ਕ੍ਰੇਡਿਟ ਆਧਾਰਿਤ 2 ਏਡ ਑ਨ ਕੋਰਸ ਹੋਂਗੇ ਥੁਲ੍ਹ

ਗੋਹਾਨਾ, 24 ਫਰਵਰੀ
(ਅਰੋਡਾ): ਭਗਤ ਫੂਲ ਸਿੰਹ ਦੀ ਜੀਵਨ ਚਰਿਤ ਔਰਤ ਤਨਕੇ ਤਾਗ ਕੀ ਅਵਧਾਰਣਾ ਕੀ ਆਮ ਜਨਮਾਨਸ ਤਕ ਪਹੁੰਚਾਨੇ ਦੇ ਲਿਏ ਨਈ ਸ਼ਿਕਸ਼ਾ ਨੀਤੀ-2020 ਦੇ ਤਹਤ 'ਗੁਰੂਕੁਲ ਪਰੰਪਰਾ ਔਰਤ ਭਗਤ ਫੂਲ ਸਿੰਹ ਜੀ ਕਾ ਦਰਸ਼ਨ' ਵਿ਷ਯਕ 2 ਕ੍ਰੇਡਿਟ ਆਧਾਰਿਤ ਏਡ ਑ਨ ਕੋਰਸ ਸ਼ੁਰੂ ਕਿਯਾ ਜਾਏਂਗੇ।

ਯਹ ਘੋ਷ਣਾ ਸ਼ਾਨਿਵਾਰ ਬੀ.ਪੀ. ਏਸ. ਮਹਿਲਾ ਵਿਸ਼ਵਿਦ୍ਯਾਲਾਨ ਦੀ ਵੀ.ਸੀ. ਪ੍ਰੋ. ਸੁਦੇਸ਼ ਨੇ ਕੀ। ਅਵਸਰ ਭਗਤ ਫੂਲ ਸਿੰਹ ਦੀ ਜਾਂਨ ਕਾ ਥਾ। ਮਹਿਲਾ ਵਿਸ਼ਵਿਦ୍ਯਾਲਾਨ ਦੇ ਪੁਰੋਧਾ ਦੀ ਜਾਂਨ ਪਰ ਯਜ਼ਾਲਾ ਮੈਂ ਹਵਨ ਹੁਆ।

ਇਸ ਮੌਕੇ 'ਤੇ ਵੀ.ਸੀ. ਪ੍ਰੋ. ਸੁਦੇਸ਼ ਤਥਾ ਤਨਕੇ ਪਤਿ ਪ੍ਰੋ. ਹਵਾ ਸਿੰਹ ਮੁਖਾਂ ਯਜਮਾਨ ਰਹੇ। ਬਹਨ ਸ਼ਕੁਂਤਲਾ ਦੇਵੀ ਨੇ ਪੂਰੇ ਵਿਧਿ-ਵਿਧਾਨ ਦੇ ਯਜ਼ ਸਮਾਂ ਕਰਾਵਾ।

ਪ੍ਰੋ. ਸੁਦੇਸ਼ ਨੇ ਕਹਾ ਕਿ ਮਹਿਲਾ ਵਿਸ਼ਵਿਦ୍ਯਾਲਾਨ ਮਾਤ੍ਰ ਸ਼ਿਕਸ਼ਣ ਸੰਸਥਾਨ ਹੀ ਨਹੀਂ, ਬਲਿਕ ਮਹਾਨ ਸ਼ਿਕਸ਼ਾਵਿਦ ਭਗਤ ਫੂਲ ਸਿੰਹ ਦੀ ਤਪੋਸਥਲੀ ਹੈ। ਯਹ ਵਿਸ਼ਵਿਦ୍ਯਾਲਾਨ ਤਨਕੇ ਬਲਿਦਾਨ ਔਰਤ ਦੀ ਪ੍ਰੇਰਣਾ ਦੇ ਨਾਰੀ ਸ਼ਿਕਸ਼ਾ ਵਿਖੇ ਸ਼ਾਸ਼ਕਿਤਕਰਣ ਮੈਂ ਜਨ ਭਾਗੀਦਾਰੀ ਕਾ ਜੀਵਨ ਤਾਹਾਰਣ ਹੈ।

ਵੀ.ਸੀ. ਪ੍ਰੋ. ਸੁਦੇਸ਼ ਨੇ ਕਹਾ ਕਿ ਨਾਰੀ ਸ਼ਿਕਸ਼ਾ ਔਰ



ਹਵਨ ਮੈਂ ਆਹੁਤਿ ਡਾਲਤੇ ਹੁਏ ਪ੍ਰੋ. ਸੁਦੇਸ਼ ਔਰਤ ਤਨਕੇ ਪਤਿ ਪ੍ਰੋ. ਹਵਾ ਸਿੰਹ (ਅਰੋਡਾ)

ਸ਼ਸ਼ਕਿਤਕਰਣ ਦੇ ਤਾਹਾਰਣ ਕੀ ਪੂਰਾ ਕਰਨੇ ਦੇ ਲਿਏ ਵਿਸ਼ਵਿਦ୍ਯਾਲਾਨ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਨ ਲਗਾਤਾਰ ਪ੍ਰਯਤਲਸ਼ੀਲ ਹੈ।

ਉਨ੍ਹਾਂਨੇ ਕਹਾ ਕਿ ਭਗਤ ਫੂਲ ਸਿੰਹ ਔਰਤ ਬਹਨ ਸੁਭਾਖਿਨੀ ਦੇਵੀ ਦੇ ਵਿਚਾਰ ਵਿਖੇ ਸ਼ਾਨਦਾਰ ਸੁਭਾਖਿਨੀ ਮੈਂ ਯੋਗਦਾਨ ਕੀ ਜਨ-ਜਨ ਤਕ ਪਹੁੰਚਾਨੇ ਦੇ ਲਿਏ ਤਨਕੇ ਜੁੜੇ ਸੰਸ਼ੰਸ਼ੰਖਾਂ ਦੀ ਦਸਤਾਵੇਜ਼ੀ ਕਰਣ ਪ੍ਰਾਥਮਿਕਤਾ ਦੇ ਆਧਾਰ ਪਰ ਕਿਯਾ ਜਾਏਗਾ। ਇਸੀ ਤਾਹਾਰਣ ਦੇ ਸਾਥ ਵਿਸ਼ਵਿਦ୍ਯਾਲਾਨ ਮੈਂ ਬਹਨ ਸੁਭਾਖਿਨੀ ਦੇਵੀ ਸ਼ੋਧ ਪੀਠ ਦੀ ਸਥਾਪਨਾ ਕੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ।

ਇਸ ਅਵਸਰ ਪਰ ਬਹਨ ਸ਼ਕੁਂਤਲਾ ਦੇਵੀ ਨੇ ਭਗਤ ਫੂਲ ਸਿੰਹ ਦੀ ਜੀਵਨ ਦੇ ਜੁੜੀ ਧਾਰੇ ਸਾਂਝਾ ਕੀਂ। ਇਸ ਅਵਸਰ ਪਰ ਬਹਨ ਕਮਲਾ, ਜਾਨਵਰੀ, ਬ੍ਰਾਹਮ ਵਤੀ, ਸਾਹਿਬ ਕੌਰ, ਛਾਂ. ਨੀਲਮ ਮਲਿਕ ਆਦਿ ਭੀ ਤੱਤਸਥਿਤ ਰਹੀਂ।